पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.11.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य हिसार व भटिण्डा में

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य शनिवार, 30 नवम्बर को प्रातः 11 बजे आर्य समाज, पटेल नगर, हिसार व रविवार, 1 दिसम्बर को प्रातः 8.30 बजे आर्य समाज, भटिण्डा(पंजाब) में सम्बोधित करेंगे। आप सादर आमन्त्रित हैं।

—ईश आर्य, संयोजक

वर्ष-36 अंक-12 मार्गशीर्ष-2076 दयानन्दाब्द 196 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.11.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का आर्य समाज ने किया स्वागत

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो— राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

नई दिल्ली। शनिवार, 9 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठक महर्षि दयानंद भवन, आसिफ अली रोड नई दिल्ली मे सोल्लास सम्पन हुई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा की सुप्रीम कोर्ट का चिरप्रतीक्षित निर्णय अत्यंत सराहनीय है मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर मंदिर का निर्माण होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्य समाज इस निर्णय का हार्दिक स्वागत करता है । भगवा राम भारतीय संस्कृति के आधार स्तम्भ हैं और करोड़ों हिन्दुओ के आराध्य देव है । उनका जीवन सदियों तक समाज का मार्ग दर्शन करता रहेगा। प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त किया गया की पहले धारा 370 अब राम मंदिर निर्माण का कार्य उनके कुशल नेतृत्व में होगा । गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार के संस्थापक स्वामी श्रद्धा नंद जी दिल्ली के नया बाजार स्थित बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग की गई। इसके साथ ही अखिल भारतीय आर्य महा सम्मेलन का आयोजन 31 जनवरी व 1,2 फरवरी 2020 को रामलीला मैदान पी यु ब्लॉक पीतम पुरा दिल्ली में किया जायेगा । महामंत्री महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया। इस अवसर पर प्रवीन आर्य(महामंत्री उत्तर प्रदेश), सूर्य देव आर्य(जींद),अनिल हांडा(फरीदाबाद),यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य,सौरभ गुप्ता,माधव सिंह,देवेन्द्र भगत,प्रवीन आर्या आदि उपस्थित रहे।

साध्वी उत्तमायति अमृत महोत्सव सम्पन्न व स्वामी धर्ममुनि जी अस्वस्थ

रविवार, 10 नवम्बर 2019,सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की प्रधान संचालिका आर्य नेत्री साध्वी उत्तमा यति जी का 75 वां जन्मोत्सव आर्य समाज,सी ब्लाक, जनकपुरी,दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। चित्र में—साध्वी जी का अभिनन्दन करते आचार्य अखिलेश्वर जी, अनिल आर्य, प्रवीन आर्या व संचालिका मृदुला चौहान। द्वितीय चित्र—आत्म शुद्वि आश्रम, बहादुरगढ़ (हरियाणा) के संचालक स्वामी धर्ममुनि जी अस्वस्थ चल रहे हैं,अग्रसेन अस्पताल,पंजाबी बाग,दिल्ली में स्वास्थ्य कुशल क्षेम पूछते श्री आनन्द चौहान,अनिल आर्य,प्रवीन आर्या, धर्मदेव खुराना व शिक्षाविद डा.डी.के.गर्ग भी पंहुचे।

आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे.कालोनी व रमेश नगर का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 10 नवम्बर 2019, आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे.कालोनी,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में—प्रधान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री का अभिनन्दन करते उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल (पंजी) के प्रधान ओम सपरा,अनिल आर्य, मंत्री भूदेव आर्य, सन्तोष शास्त्री व राधेश्याम आर्य। वीरेश आर्य ने सुन्दर व्यवस्था सम्भाली। द्वितीय चित्र में शुक्रवार 8 नवम्बर 2019 आर्य समाज रमेश नगर, नई दिल्ली में महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव पर मुख्य अतिथि अनिल आर्य को सम्मानित करते नरेन्द्र आर्य सुमन, सत्यपाल नारंग, नरेश विग, नरेन्द्र ढिंगरा आदि।

जहां नहीं होता कभी विश्राम आर्य युवक परिषद है उसका नाम

देश में राष्ट्रवादी विचारधारा का होना एकता व अखण्डता के लिए अनिवार्य है

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

हमारा देश भारत संसार का सबसे प्राचीनतम देश है। सृष्टि के आरम्भ में परमात्मा ने मनुष्य जीवन की उन्नति व मनुष्यों के सर्वविध कल्याण के लिए वेदों का सर्वोत्तम ज्ञान एवं संस्कृत भाषा प्रदान की थी। संस्कृत विश्व की सर्वोत्तम भाषा है। मनुष्य का कर्तव्य है कि वह जिस में जन्म लेता व जिस देश का अन्न खाता है उस देश के प्रति निष्ठा व समर्पण का भाव रखे। वह धन व सम्पत्ति जैसे चन्द टुकड़ों के लिये अपनी आत्मा व भावनाओं का सौदा न करे। जो व्यक्ति अपने देश के पूर्वजों व अपने देश की उत्तम परम्पराओं को न मानकर विदेशी विचारों जो ज्ञान व देश हित की दृष्टि से तक एवं युक्तियों से खण्डनीय हों, जिससे देश में मतभेद उत्पन्न होते हैं, जो एकता स्थापित न कर देश को पृथकतावादी विचारधारा का आधार बनें, ऐसे मतों व विचारधाराओं को कदापि स्वीकार नहीं करना चाहिये। हमने विगत 45 वर्षों से वेद और वैदिक ऋषियों के ग्रन्थों का अध्ययन किया है तथा अन्य मतों की मान्यताओं, सिद्धान्तों व परम्पराओं पर भी ध्यान दिया है। हमारा निष्पक्ष मत है कि वेद की विचारधारा से हितकर संसार में कोई विचारधारा नहीं है। इसका प्रमुख कारण है कि वेद का ज्ञान इस सृष्टि को बनाने व चलाने वाले सर्वज्ञ ईश्वर का दिया हुआ ज्ञान है।

मनुष्य अल्पज्ञ होता है। इस कारण उसका ज्ञान भी निर्भ्रान्त नहीं होता। वह ज्ञान व अज्ञान दोनों का मिश्रित संग्रह हुआ करता है। उसका सत्य है अथवा असत्य इसका निर्णय वेद की मान्यताओं से तुलना कर अथवा उसे विवेचन, विश्लेषण, तर्क एवं युक्ति के आधार पर जो सृष्टिक्रम के अनुकूल हो, उसे ही स्वीकार किया जा सकता है। ऋषि दयानन्द ईश्वर के स्वरूप के साक्षात्कारकर्ता योगी एवं विद्या के सूर्य समान महापुरुष थे। उन्होंने वेदों का पुनरुद्धार किया। वेदों का उन्होंने गहन अध्ययन व विवेचन किया था। उनकी वेद विषयक मान्यतायें अपनी निजी मान्यतायें नहीं है अपितु यह सृष्टि के आरम्भ से प्रचलित मान्यतायें एवं सिद्धान्त हैं जिनका सभी राजा व ऋषि पालन करते आये हैं। अपने जीवन में उन्होंने सभी मतों के आचार्यों सहित प्रत्येक मनुष्य को यह अवसर दिया था कि वह वेदों की सत्यता पर उनसे शंका समाधान अथवा शास्त्रार्थ कर सकता है। उनके समय के किसी मताचार्य वा धर्माचार्य में यह योग्यता नहीं थी कि वह वेद के परिप्रेक्ष्य में अपने मत व सिद्धान्तों को सत्य सिद्ध करे और वेद को व वेद की किसी एक भी मान्यता को असत्य सिद्ध करके दिखाये। अतः वेद ऋषि दयानन्द के जीवन काल में भी सत्य सिद्ध हुए थे, आज भी हैं और सदा सर्वदा रहेंगे। आश्चर्य इस बात का है कि वेद ईश्वर से उत्पन्न होने के बावजूद भी लोग उसे स्वीकार न कर अनेक भ्रान्तियों सहित अनेक ज्ञान–विज्ञान विरुद्ध मान्यताओं से युक्त होने पर भी अपने अपने मतों की मान्यताओं को ही स्वीकार कर उन्हीं का प्रचार करते हैं और उन्हीं को मानते व दूसरों से मनवाते हैं। इस कार्य में वह छल, बल व प्रलोभन आदि निन्दित साधनों का भी प्रयोग करते हैं। आज विज्ञान के युग में ऐसा करना उचित नहीं है परन्तु लोगों ने ऐसी–ऐसी व्यवस्थायें बना रखी है जिनमें सत्य व असत्य को समान माना गया है और किसी को समाज में कुछ भी प्रचार करने व मानने व मनवाने की छूट है। समाज में भ्रान्ति फैलाने वालों के लिये दण्ड का कोई विधान नहीं है। सर्वत्र लोग मनवानी करते दीखते हैं और अशिक्षित व अज्ञानी लोगों को भ्रमित कर अपना हित सिद्ध करते हैं। इसके विरुद्ध प्रचार की आवश्यकता है। यही काम ऋषि दयानन्द जी ने अपने जीवनकाल में किया था और आज भी आर्यसमाज इसी कार्य को कुछ कम गति से कर रहा है।

एक परिवार को समाज व देश की सबसे छोटी इकाई कह सकते हैं। परिवार में एकता का आधार परिवार के सभी सदस्यों की एक समान विचारधारा होती है। यदि परिवार के लोगों की एक विचारधारा न हो तो सब एक साथ नहीं रह सकते। पृथक–पृथक विचारों के होने से घर टूट जाते हैं जिससे सभी को दुःख होता है। समान विचारों के साथ दूसरी महत्वपूर्ण बात यह होती है कि सबके विचार सत्य पर आधारित हों। यदि विचारधारा में सत्य नहीं होगा तो ऐसा न होने पर सबको हानि हो सकती है। बहुत से लोग पाखण्डो को मानते हैं। उन पाखण्डों के कारण उनका समय, पुरुषार्थ एवं धन नष्ट होता है और लाभ कुछ भी नहीं होता। इस श्रेणी में सभी मतों के धार्मिक अन्धविश्वास तथा भेदभाव पैदा करने वाले विचार आते हैं। परिवार की तरह से समाज व देश में भी एक समान विचार और वह सब भी सत्य पर आधारित होने से देश सही दिशा में आगे बढ़ता और उन्नति करता है। अन्धविश्वासों व मिथ्या विचारधाराओं से उन्नति होने का आभाष तो अज्ञानी व अल्पज्ञानी मनुष्यों को ही हो सकता है। वस्तुतः इससे हम अपना जन्म व परजन्म बर्बाद करते हैं। यह सिद्धान्त किसी एक मत पर नहीं अपितु सभी मतों पर लागू होता है। हमने इतिहास में शैव व वैष्णव मतों के विवादों व संघर्ष के बारे में सुना है। इसी प्रकार से संसार के प्रमुख सभी मतों में कई–कई सम्प्रदाय हैं जो आपस में विरोधी विचार रखते हैं और आपस में संघर्ष करते हैं जिससे उन्हें व उनके अनुयायियों को जानमाल की हानि होती है। इन मतों को मनुष्य के जीवन का यथार्थ उद्देश्य व उसकी प्राप्ति के उपायों का ज्ञान नहीं है जिससे यह स्वयं व अपने अनुयायियों को अन्धकार से निकाल कर प्रकाश में ले जाने के स्थान पर अन्धकार से अन्धकार में ही डालते दीखते हैं। हमें मनुष्य जन्म सद्ज्ञान को प्राप्त करने और उसके अनुसार ईश्वर व आत्मा आदि को जानकर ईश्वर की उपासना, अग्निहोत्र–यज्ञ सहित परोपकार व दुर्बल, दलितों व वंचितों की सेवा व सहायता कर अपने इस जन्म व परजन्म की उन्नति करने के लिये मिला है। सभी मतों के अनुयायी बातें तो बहुत बड़ी–बड़ी करते हैं परन्तु भारत सहित विश्व के अनेक देशों में दुर्बलों, निर्धनों, दलितों व वंचितों आदि को अज्ञान, अन्याय व अभाव से मुक्ति नहीं मिल रही है। इसका कारण अधिकार सम्पन्न लोगों का इस कार्य के प्रति उदासीनता का व्यवहार करना है जिसके लिये वह ईश्वर के अपराधी बनते हैं और जन्म–जन्मान्तर में दुःख पाते हैं।

ऋषि दयानन्द किसी भी विषय पर विचार करते हुए उसके दो पहलुओं सत्य और असत्य पर विचार करने को कहते हैं और असत्य का त्याग तथा सत्य के ग्रहण को उचित व आवश्यक प्रतिपादित करते हैं। इस आधार पर यदि सभी मतों सहित राजनीतिक विचारधाराओं पर भी विचार करें तो हम एक मत व एक विचारधारा को स्थिर कर सकते हैं। जिस देश व समाज में ऐसा होता है वह समाज सबसे श्रेष्ठ देश व समाज होता है। आर्यसमाज एक वैश्विक संस्था था। इसके सिद्धान्त व मान्यतायें विश्व भर में एक समान हैं। सब एक ही रीति से सन्ध्योपासना तथा अग्निहोत्र यज्ञ आदि करते हैं। इनमें कहीं किसी प्रकार का भेदभाव व मतभेद नहीं है। सब ईश्वर के स्वरूप को आर्यसमाज के दूसरे नियम के अनुसार मानते हैं और आत्मा का स्वरूप व इसके गुण–कर्म व स्वभाव पर भी सभी ऋषिभक्त व आर्यसमाज के अनुयायी एक मत हैं। इसी का विस्तार यदि पूरे देश व विश्व में हो जाये तो संसार के अनेक झगड़े व संघर्ष समाप्त हो सकते हैं। वैदिक धर्म पूर्णतः सत्य और अहिंसा के सिद्धान्तों का पालन करता है परन्तु यह कृत्रिम अहिंसा को नहीं अपितु व्यवहारिक व वेद, रामायण और महाभारत में ईश्वर, राम व कृष्ण की अहिंसा के सिद्धान्तों वा ऋषि दयानन्द के सिद्धान्तों को मानता है। ऋग्वेद में एक संगठन सूक्त भी आता है जिसमें मात्र चार मन्त्र हैं। इसमें ईश्वर को सर्वशक्तिमान तथा सृष्टि का उत्पत्तिकर्ता बताया गया है। इन मन्त्रों में ईश्वर को सभी मनुष्यों पर धन की वृष्टि करने की प्रार्थना की गई है। सबको प्रेम से मिलकर रहने तथा ज्ञान प्राप्ति का उपदेश है। अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों के पालन में सदैव तत्पर रहने की शिक्षा भी संगठन सूक्त के मन्त्रों में दी गई है। संगठन–सूक्त में कहा गया है कि हमारे सब देशवासियों व संसार के सभी मनुष्यों के विचार समान हों, चित्त व मन भी समान हों। हम सब वेद ज्ञान का अध्ययन कर उसको जीवन में धारण करें और उसका अन्यों में भी प्रचार करें। एक मन्त्र में कहा गया है कि हमारे विचार व संकल्प तथा दिल भी परस्पर समान व एक दूसरे अनुकूल व मिले हुए हों। सबके मन एक–दूसरे के प्रति प्रेम से भरे हों जिससे सभी सुखी हों व सम्पदावान हों।

आजकल देश में अनेक राजनीतिक दल हैं जो सत्ता पाने के लिये अनेक प्रकार के असत्य व अनुचित साधनों का सहारा लेते हैं और सत्ता में रहने पर बड़े बड़े भ्रष्टाचार के काण्ड सामने आते हैं। सत्ता प्राप्ति में जातिवाद, तुष्टिकरण, क्षेत्रवाद, भाषावाद के द्वारा परस्पर वैमनस्य उत्पन्न किया जाता है। ऐसा इसलिये हो रहा है कि ऐसा करने वाले मनुष्य वेदज्ञान से शून्य होने सहित निन्दनीय छल, कपट, लोभ, मोह, राग, द्वेष व स्वार्थ सहित काम व क्रोध आदि दुर्गुणों से भरे हुए हैं। जब तक वेद को प्रतिष्ठित कर इसका ज्ञान सभी देशवासियों को नहीं कराया जायेगा तब तक अन्धविश्वासों का उन्मूलन एवं देश में सच्ची एकता स्थापित नहीं हो सकती। हमें साम्यवाद, समाजवाद आदि विदेशी विचारधाराओं व मान्यताओं का त्याग कर वेद और स्वदेशी विचारधारा जिसमें सबका हित हो और जिसमें ईश्वर व आत्मा के अस्तित्व तथा इनके परजन्म का कर्म–फल सिद्धान्त स्वीकार किया गया जाये, अपनाना होगा। सत्य और देशहित को महत्व दिये बिना, स्वार्थ–लोभ व मोह का त्याग किये बिना हम अपने देश व समाज की रक्षा नहीं कर सकते। आजकल देश के राजनीतिक दलों के वैचारिक मतभेदों व गठबन्धनों सहित उनके सत्ता के लोभ व स्वार्थ पर आधारित निर्णयों को देख कर डर लगता है कि इन राजनीतिक दलों के विपरीत विचारों व सबके अपने अपने स्वार्थों के होते हुए क्या देश सुरक्षित रह पायेगा? आज भी हम वही गलतियां कर रहे हैं जिसके कारण हम अतीत में पराधीन हुए थे और हमने अपना स्वत्व तथा अपने परिवारवार जनों व जातीय बन्धुओं की इज्जत व आबरू लुटवायी थी। हमारी फूट आज भी जारी है। हमारे स्वार्थ हमें देश से ऊपर लगते हैं। कोई न कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिये देश हित को त्याग कर किसी भी विरोधी दल से जो उसके स्वार्थ में साधक होता है, मिल जाता है। अब हमें मोदी जी, अमित शाह जी और योगी सहित बीजेपी में ही कुछ आशा की किरण दृष्टिगोचर होती है। ईश्वर से ही प्रार्थना है कि देश को कमजोर करने वाले स्वार्थी, लोभी तथा एषणाओं से युक्त लोगों से देश व समाज को बचाये और साथ देश विरोधी बाह्य व आन्तिरिक शक्तियों व शत्रुओं को निर्मूल व उनका सम्पूर्ण उच्छेद कर दे। ओ३म् शान्ति।

—196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

परिषद् की उ.प्र.प्रान्तीय बैठक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक रविवार, 24 नवम्बर 2019 को दोपहर 2.00 बजे आर्य समाज,कवि नगर,गाजियाबाद में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री आनन्दप्रकाश आर्य की अध्यक्षता में होगी । बैठक को राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य भी सम्बोधित करेंगे। कृपया सभी साथी समय पर पंहुचे

—प्रवीन आर्य, प्रान्तीय महामंत्री, 9911404423

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 41 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

युवा विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज के ब्रह्मत्व में
आर्य नेता डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

आशीर्वाद : स्वामी प्रणवानंद जी, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 31 जनवरी व 1, 2 फरवरी 2020 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थान : रामलीला मैदान, पी.यू.ब्लाक, पीतम पुरा, दिल्ली-34 (निकट कोहाट एन्कलेव मैट्रो स्टेशन)

विराट् शोभा यात्रा, शनिवार 1 फरवरी 2020, प्रातः 10.30 बजे शुभारम्भ : रामलीला मैदान, पी.यू.ब्लाक, पीतम पुरा, दिल्ली से प्रारंभ होगी

राष्ट्र रक्षा सम्मेलन ➡ **मुख्य आकर्षण** ⬅ ● राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन
आर्य महिला सम्मेलन ● राष्ट्रीय वेद सम्मेलन ● शिक्षा-संस्कृति निर्माण सम्मेलन
संगीत संध्या ● व्यायाम शक्ति प्रदर्शन ● राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
प्रातः से रात्रि निरन्तर तीनों दिन ऋषि लंगर व आवास की सुन्दर व्यवस्था

1. बाहर से आने वाले आर्य बन्धु व आर्य युवक अपने पधारने की व संख्या के बारे में 5 जनवरी 2020 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके।
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु/आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 5 जनवरी 2020 तक फोन नं.-9968079062 9868664800, 9871581398, 9711161843 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्यसमाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है। कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, घी, रिफाईन्ड, सब्जी आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत), नई दिल्ली
कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007

दूरभाष : 9868051444, 7703922101, 9971467978, 9810114455, 9958889970
aryayouthn@gmail.com, visit us: youtube - ARYA YUVA UDGHOSH, facebook- ARYA YUVA UDGHOSH

जहां नहीं होता कभी विश्राम — आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी के पावन सानिध्य
आर्य नेता डॉ. अशोक कु. चौहान की अध्यक्षता में एवं आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन का निमन्त्रण व अपील

दिनांक : 31 जनवरी व 1, 2 फरवरी 2020 (शुक्र., शनि. व रविवार)

स्थानः रामलीला मैदान, पी.यू. ब्लाक, विशाखा एनक्लेव, पीतमपुरा दिल्ली

महोदय/महोदया

सादर नमस्ते। आपको यह जानकर हर्ष होगा कि आपकी प्रगतिशील युवा संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में दिनांक 31 जनवरी व 1,2 फरवरी 2019 (शुक्र, शनि व रविवार) को ''अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन'' का भव्य आयोजन रामलीला मैदान, पी.यू. ब्लाक, विशाखा एनक्लेव, पीतमपुरा दिल्ली के विशाल मैदान में समारोह पूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर युवा विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में 251 कुण्डीय विराट् विश्व शान्ति यज्ञ, आर्य युवा सम्मेलन, शिक्षा संस्कृति सम्मेलन, राष्ट्रीय महिला सम्मेलन, राष्ट्र रक्षा सम्मेलन, व्यायाम शक्ति सम्मेलन, वेद सम्मेलन, संगीत संध्या आदि विभिन्न सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है

इसके साथ ही शनिवार 1 फरवरी 2019 को प्रातः 10.30 बजे रामलीला मैदान, पी.यू. ब्लाक, विशाखा एनक्लेव से ''राष्ट्रीय एकता यात्रा'' का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे सार्वजनिक स्थानों पर वेद प्रचार व देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके।।

इस महंगाई के युग में इन विशाल आयोजनों की सफलता, प्रातः से रात्रि तक निरन्तर ऋषि लंगर प्रबन्ध एवं वेद-प्रचार के कार्य को तीव्र गति से चलाने के लिए आपका उदारतापूर्वक सहयोग अति आवश्यक है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि अपनी ओर से अपने मित्रों की ओर से एवं अपनी संस्था की ओर से अधिक से अधिक आर्थिक सहायता करवाने की कृपा करें।

समस्त क्रॉस चैक/ड्राफ्ट ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली'' के नाम करके मुख्य कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007 के पते पर भेज कर युवा शक्ति का उत्साहवर्धन करें। आप अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घण्टाघर, दिल्ली-110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस. कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके।

आप यज्ञ के पवित्र कार्य हेतु शुद्ध घी, हवन सामग्री, समिधा, गूगल एवं ऋषि लंगर हेतु आटा, दाल, चावल, सब्जी, मसाले, रिफाईन्ड तेल, पाउडर दूध आदि खाद्य पदार्थ से भी सहयोग कर सकते हैं। हमें विश्वास है कि आपका आर्य युवकों को पूर्ण सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होगा व महर्षि दयानन्द जी के सिपाहियों का यह काफिला निरन्तर आगे बढता जायेगा। असवके पूर्ण सहयोग की कामना एवं विश्वास के साथ।

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 9868051444, 011-42133624

बहरोड़(राजस्थान) में ऋग्वेद पारायण यज्ञ व आर्य युवा सम्मेलन सम्पन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य को सम्मानित करते रामकृष्ण शास्त्री,बहरोड़ आर्य समाज के प्रधान रामानन्द आर्य,विनोद आर्य व सुनील अरोड़ा(जयपुर)। द्वितीय चित्र–सभागार का सुन्दर द्रश्य।

बुधवार, 13 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द योगधाम, बहरोड़ में रविवार, 3 नवम्बर से बुधवार 13 नवम्बर 2019 तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया, समापन पर राष्ट्र रक्षा व युवा सम्मेलन का आयोजन हुआ। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि के रूप में पंहुचे, उन्होंने ग्रामीण अंचलों में आर्य समाज के कार्य को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। गुरूकुल झज्जर के आचार्य स्वामी शुद्धबोध जी ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। दो दिन महेन्द्र भाई जी ने यज्ञ सम्पन्न करवाया व प्रवचन किये। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रान्तीय अध्यक्ष रामकृष्ण शास्त्री ने किया। दिल्ली से कृष्णलाल राणा व शिवम मिश्रा भी सम्मिलित हुए।

आर्य समाज, बैंक एनक्लेव व मॉडल बस्ती का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 10 नवम्बर 2019, आर्य समाज,बैंक एनक्लेव,लक्ष्मी नगर,पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ । डा.जयेन्द्र आचार्य के प्रवचन व आचार्य सतीश सत्यम के भजन हुए । प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में परिषद् के बच्चों के सुन्दर कार्यक्रम भी हुए । चित्र में–परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य का स्वागत करते संयोजक जगदीश पाहुजा,प्रधान प्रेमलता गुप्ता,मंत्री विजय कुमार,प्रोमिला सैनी,यशोवीर आर्य व महेन्द्र भाई । समारोह की अध्यक्षता सुनहरीलाल यादव ने की । द्वितीय चित्र–दीपावली के उपलक्ष्य में आर्य समाज मॉडल बस्ती दिल्ली में कार्यक्रम हुआ,चित्र में अध्यापिकाओं को सम्मानित करते समाज के प्रधान आलोक कुमार,मंत्री आदर्श आहुजा व अनिल आर्य।

आर्य समाज लाजपत नगर के मंत्री अजेय कपूर व भारत भूषण ग्रोवर का अभिनन्दन

शनिवार, 9 नवम्बर 2019, परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, महर्षि दयानन्द भवन, नई दिल्ली में आर्य समाज, लाजपत नगर, दिल्ली के नवनिर्वाचित मंत्री अजेय कपूर का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, रामकुमार आर्य, यशोवीर आर्य, प्रवीन आर्या व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–रविवार, 3 नवम्बर 2019, आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–3, दिल्ली के वार्षिकोत्सव समापन पर कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमती अनिता व भारत भूषण ग्रोवर का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, रचना आहुजा,डा.महेश विद्यालंकार व यशपाल शास्त्री। आचार्य देवेन्द्र शास्त्री ने कुशल संचालन किया।

आर्यो, महर्षि दयानन्द जन्म भूमि टंकारा चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली की ओर से महर्षि दयानन्द जन्म भूमि टंकारा दर्शन व गुजरात भ्रमण का निम्नप्रकार कार्यक्रम बनाया गया है इच्छुक आर्य जन शीघ्र सम्पर्क करें–

1.दिनांक 17 फरवरी 2020 को दिल्ली से राजकोट ट्रेन द्वारा व वहां से बस द्वारा टंकारा ऋषि जन्म भूमि व उसी प्रकार 22 फरवरी 2020 को वापिसी होगी। प्रति सीट किराया केवल–1500/–रू । मार्ग में नाश्ता,भोजन आदि यात्री स्वयं करेंगे व टंकारा में निवास व भोजन आदि ''ऋषि लंगर'' में ही होगा ।

2.दिनांक 19 फरवरी 2020 से 25 फरवरी 2020 तक,हवाई जहाज द्वारा राजकोट–18,800 रू प्रति सीट व आगे बस द्वारा टंकारा,द्वारकाधीश,सोमनाथ,सरदार पटेल स्मारक दर्शन। प्रति सीट–3 टायर ए.सी द्वारा–16,800 व ट्रेन स्लीपर क्लास–13,800 रू है (6 रात्री व 7 दिन) सम्पर्क सूत्र–देवेन्द्र भगत, संयोजकः 9958889970 व अशोक बुद्विराजा–9868168680.

संयम भगत चाईना पंहुचे

बीजिंग(चाईना) में हुए एशियन अफ्रीकन यूथ फेस्टिवेल में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली की ओर से संयम भगत ने भाग लिया ओर परिषद् की गतिविधियो के बारे में वहां बताया तथा कैप पटके वितरित किये। हार्दिक बधाई।

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. माता कृष्णबाला जी (आर्य समाज,विशाखा एनक्लेव) का निधन।
2. श्री दामोदर प्रसाद गुप्ता (पिता राजेश गुप्ता, विधायक, अशोक विहार) का निधन।
3. आचार्य धूमकेतु शास्त्री (आर्य समाज, त्रिनगर) का निधन।
4. सुप्रसिद्व गायिका लता मंगेश्कर का निधन।
5. श्री मदनलाल अरोड़ा, रोहिणी (मौसा जी ओम सपरा) का निधन।
6. श्रीमती इन्द्रा बडवाल, टाण्डा (उ.प्र.) का निधन।
7. श्री हेमसिंह आर्य (आर्य समाज, शक्ति नगर) का निधन।
8. श्री स्वरूपसिंह सैनी (आर्य समाज, सैक्टर–15, गुरूग्राम) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970